नारी की गरिमा से ही राष्ट्र की गरिमा
ज्ञान सरोवर में महिलाओं का राष्ट्रीय स मेलन आरंभ

माउंट आबू, 8 जुलाई। राष्ट्रीय अंधता निवारण उप महानिदेशक डॉ. प्रमिला गुप्ता ने कहा कि नारी की गरिमा से ही राष्ट्र की गरिमा है। त्यागमय भावना से ओतप्रोत नारी शक्ति समाज को सही दिशा में ले जाने के लिए समर्थ है। अध्यात्म से परिपूर्ण नारी शक्ति में सामाजिक व पारिवारिक रिश्तों को एकता के सूत्र में पिरोए रखने की ताकत है। नैतिक मूल्यों की कमी के चलते समाज में हिंसा बढ़ रही है। नकारात्मक प्रवृZियां जीवन को अशान्त कर रही हैं। ब्रह्माकुमारी संगठन की ओर से प्रशिक्षित राजयोग के जरिए सुषुप्त आत्मिक शक्तियों से जीवन को सकारात्मक दिशा मिलती है। यह बात उन्होंने शनिवार को ब्रह्माकुमारी संगठन के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में महिला प्रभाग की ओर से महिलाओं का सर्वांगीण विकास विषय पर आयोजित स मेलन के उदघाटन सत्र को संबोधित करते कही।

महिला प्रभाग अध्यक्षा राजयोगिनी बीके चक्रधारी बहन ने कहा कि समाज व परिवार के महौल को श्रेष्ठ बनाने के लिए नारी शक्ति को व्यर्थ की बातों को छोड़ जनहित के लिए अपनी आंतरिक क्षमताओं को बढ़ाने की सोच बनाए रखनी चाहिए।

आल इंडिया कौसिंल ऑफ ह्यूमन राइट्स संस्थापक डॉ. अन्थोनी राजू ने कहा कि नारी नैतिक व आध्यात्मिक मूल्यों की खान है। महिलाओं के सशक्तिकरण से संसार का सुधार होगा। परिवर्तन प्रकृति का स्वभाव है। नारी शक्ति को समाज परिवर्तन की अहम जि मेवारी का क[illegible]व्य निभाने में प्राथमिकता देनी चाहिए।

शिक्षा प्रभाग की मु यालय संयोजिका बीके शीलू बहन ने कहा कि नारी के विकास में सर्व का विकास है। शिक्षित नारी पूरे परिवार के विकास की धुरी है। भौतिक, मानसिक, बौद्धिक, भावनात्मक, नैतिक व आध्यात्मिक विकास से ही किसी भी नारी का सर्वांगीण विकास होगा। अन्यथा विकास अधूरा है।

प्रभाग की मु यालय संयोजिका डॉ. बीके सविता बहन ने कहा कि नैतिक मूल्यों का विकास करने में महिलाओं को अपना मानसिक धरातल आध्यात्मिकता से भरपूर रखना चाहिए। इसके लिए राजयोग का अ यास जरूरी है।

गंगानगर से आई वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका बीके मोहिनी बहन ने राजयोग का अ यास कराया।

फोटो –

माउंट आबू। ज्ञान सरोवर में आयोजित महिला स मेलन के उदघाटन सत्र को संबोधित करते अतिथिगण।

माउंट आबू। स मेलन में उपस्थित सहभागी।